खाने व चिप्स बनाने के लिए आलू की 4 नई किस्मों को देश में खेती के लिए मंज़ूरी मिली

भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने आलू की चार नई किस्मों को देश में खेती करने और बीज उत्पादन के लिए मंज़ूरी दे दी है जो कि खाने और चिप्स बनाने आदि के लिए उपयुक्त हैं। इन किस्मों को केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सी पी आर आई), शिमला ने विकसित किया है। ये नई किस्में हैं कुफरी रतन, कुफरी तेजस, कुफरी चिपभारत-1, और कुफरी चिपभारत-2।

कुफरी रतन लाल छिलके वाला आलू है जो खाने के काम आता है। यह 90 दिनों में तैयार हो जाता है। इसकी औसत पैदावार 370-390 क्विंटल प्रति हेक्टेयर (करीब 150-160 क्विंटल प्रति एकड़) है। इसकी सिफ़ारिश उत्तर भारत के मैदानी और पठारी इलाकों में बुवाई के लिए की गई है। यह लंबे समय तक खराब नहीं होता।

कुफरी तेजस गर्मी सहन करने वाली किस्म है, जो खाने के लिए इस्तेमाल होती है। यह भी 90 दिनों में तैयार हो जाती है। इसकी औसत पैदावार 370-400 क्विंटल प्रति हेक्टेयर (करीब 150-160 क्विंटल प्रति एकड़) होती है। इसकी सिफ़ारिश हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में खेती के लिए की गई है।

कुफरी चिपभारत-1 किस्म चिप्स बनाने के लिए है। यह किस्म 100 दिनों में तैयार होती है। इसकी औसत पैदावार 350-380 क्विंटल प्रति हेक्टेयर (करीब 140-150 क्विंटल प्रति एकड़) तक होती है। इसमें शुगर कम और सूखापन ज़्यादा होता है, जिससे चिप्स का रंग अच्छा आता है। कुफरी चिपभारत-1 की सिफ़ारिश हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिल नाडु के लिए की गई है।

कुफरी चिपभारत-2 भी चिप्स बनाने के लिए जल्दी तैयार होने वाली किस्म है। यह किस्म 90 दिनों में तैयार हो जाती है। इसकी औसत पैदावार 350-370 क्विंटल प्रति हेक्टेयर (करीब 140-150 क्विंटल प्रति एकड़) है। इसे लंबे समय तक भंडार किया जा सकता है। कुफरी चिपभारत-2 की सिफ़ारिश हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु के लिए की गई है।